पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीता

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

अरब देशों में शावकों के अवैध व्यापार के कारण पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीता को आनुवंशिक विविधिता में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

//

पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीतों के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **वैज्ञानिक नाम:** एसिनोनिक्स जुबेटस सोमेरिंगी (Acinonyx jubatus soemmeringii)
- **परिचय:**
  - यह चीता की एक उप-प्रजाति है जिसे पहली बार वर्ष 1855 में **ऑस्ट्रियाई जीवविज्ञानी लियोपोल्ड फिट्ज़िंगर** द्वारा वैज्ञानिक नाम **सिनैलुरस सोमेरिंगी (Cynailurus soemmeringii)** के तहत सूडान के बायुडा रेगिस्तान से वियना में टियरगार्टन शॉनब्रुन में लिये गए एक नमूने के आधार पर देखा गया था।
  - इसे **सूडान चीता** के नाम से भी जाना जाता है। यह उप-प्रजाति सहारन चीता आबादी के बजाय **दक्षिणी अफ्रीकी चीता** आबादी से संबंधित है।
- **वितरण:**
  - ये पूर्वोत्तर **अफ्रीका, इथियोपिया** और **दक्षिण सूडान** में पाए जाते हैं।
  - ये विस्तृत खुली भूमि, घास के मैदानों, अर्ध-शुष्क क्षेत्रों और अन्य**खुले आवासों में रहते हैं,** जहाँ **शिकार प्रचुर मात्रा में होता है जैसे कि पूर्वी सूडानी सवाना क्षेत्र में।**
- **आवास:**
  - उनके **आवासों में आम तौर पर विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तंत्र शामिल होते हैं, जैसे– सवाना** , घास के मैदान और अर्ध-शुष्क स्थान, अक्सर विरल वनस्पति के साथ जो उनकी उच्च गति शिकार रणनीति के लिये सक्षम होते हैं।
- **खतरा:**
  - [लाल सागर (Red sea)] के पार **सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन** जैसे अरब देशों में उनकी भारी तस्करी की जाती है।

- नविास स्थान के नुकसान, मानव अतकि्रमण और शकिार के कारण, उनकी संख्या में काफी कमी आई है, मुख्य रूप से संरक्षति क्षेत्रों में केवल कुछ बखिरी हुई आबादी बची है।

- **संरक्षण की स्थतिः**
  - **IUCN रेड लसि्ट:** लुप्तप्राय।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/northeast-african-cheetah